Dissolution

Of

Partnership

B.Com Part 1

B.Com Part 1

साझेदारी फर्म का विघटन

"जब किसी संस्था के कुल संपत्ति का योग उसके कुल दायित्व के योग से कम हो जाता है तो ऐसी स्थिति में संस्था को बंद करना पड़ता है या जब जब संस्था के सदस्यों के बीच आपस में झगड़ा होता है तो ऐसी स्थिति में संस्था को समाप्त करना पड़ता है जिसे साझेदारी फर्म का विघटन कहते हैं ।" ऐसी स्थिति में सम्पत्ति को बेचकर दायित्व का भुगतान करने के लिए एक खाता खोला जाता है, जिसे वसूली खाता (Realisation Account) कहते है।

Realisation Account (वसूली खाता)

यह एक वास्तविक खाता है, जिसके दो पक्ष होते है, बाएं पक्ष में समस्त संपत्तियों रोकड़ एवम् समतुल्य को छोड़कर पुस्तकिय मूल्य पर हस्तांतरण किया जाता है और दाएं पक्ष में समस्त बाएं दायित्व को पुस्ताकिय मूल्य पर हस्तांतरित किया जाता है, सम्पत्ति को बेचकर प्राप्त राशि दाएं पक्ष में और दायित्व के भुगतान को बाएं पक्ष में लिखा जाता है।

to be continue...